'देश जलवायु परिवर्तन से जूझ रहा'

पटना, मुख्य संवाददाता। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने बुधवार को सीआईएमपी में कहा कि पूरे विश्व के साथ- साथ भारत भी जलवायु परिवर्तन से जूझ रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने को क्षमता निर्माण जरूरी है।

वे चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना में बुधवार को सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। श्री सिन्हा ने सम्मेलन की थीम "सक्षम समुदायों का निर्माणः सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्थानीय शासन" की प्रासंगिकता को विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में रेखांकित किया। उद्घाटन के मौके पर सीआईएमपी के निदेशक राणा सिंह, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अटलांटा की प्रो. अंजलि थॉमस, मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी कुमोद कुमार व सम्मेलन संयोजक प्रो. देबब्रत समंता भी मौजूद रहे। मौके पर निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, प्रो. देबब्रत समंता , प्रो. अंजलि थॉमस प्रो. सौम्यानंद डिंडा , प्रो. रंजन घोष , पिनाकी हलदर, डॉ. ऋचा जैसे विशेषज्ञों ने भाग लिया। सत्र का संचालन हिमाचल के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक सनन द्वारा किया गया।

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा। साथ में प्रो. राणा सिंह, प्रो. अंजलि थॉमस व कुमोद कुमार।

Hindustan ! Page No - 06 ! Date - 26-06-2025 !

जलवायु परिवर्तन से लड़ने को तैयारी जरूरी : डिप्टी सीएम

सीआइएमपी में सम्मेलन का उद्घाटन करते डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा .

संवाददाता, पटना

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में बुधवार को सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन बुधवार को हुआ. सम्मेलन की थीम 'सक्षम समुदायों का निर्माण: सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्थानीय शासन' विषय को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पूरे विश्व के साथ-साथ भारत भी जलवायु परिर्वतन से जूझ रहा है. बिहार भी इससे अछूता नहीं है. जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने को क्षमता निर्माण जरूरी है. उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जन धन योजना और व पीएम-किसान और कन्या समृद्धि योजना के बारे में भी चर्चा की. सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर सीआइएमपी के निदेशक राणा सिंह, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अटलांटा की प्रो अंजलि थॉमस, मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी कुमोद कुमार व सम्मेलन संयोजक प्रो देबब्रत समंता भी मौजूद रहे. सत्र का समापन सीआइएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ. सम्मेलन के पहले दिन दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल पंद्रह शोध पत्र प्रस्तुत किए गये. मौके पर प्रो सौम्यानंद डिंडा (अर्थशास्त्री, बर्दवान विश्वविद्यालय), प्रो रंजन कुमार घोष (आइआइएम अहमदाबाद), पिनाकी हलदर (वरिष्ठ भूमि अधिकार सलाहकार, साउथ एशिया, लैंडेसा), और डॉ ऋचा जोशी (रिसर्च लीड, लैंडस्टैक) जैसे विशेषज्ञों ने भाग लिया. सत्र का संचालन हिमाचल प्रदेश के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक सनन द्वारा किया गया.

Prabhat Khabar ! Page No- 07 ! Date - 26-06-2025 !

जनहित की योजनाओं में पारदर्शिता से ही प्रगति

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) में सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीपीएम 2025) का उद्घाटन बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

■ सीआईएमपी में सार्वजनिक नीति और प्रबंधन विषय पर आयोजित सम्मेलन में बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा

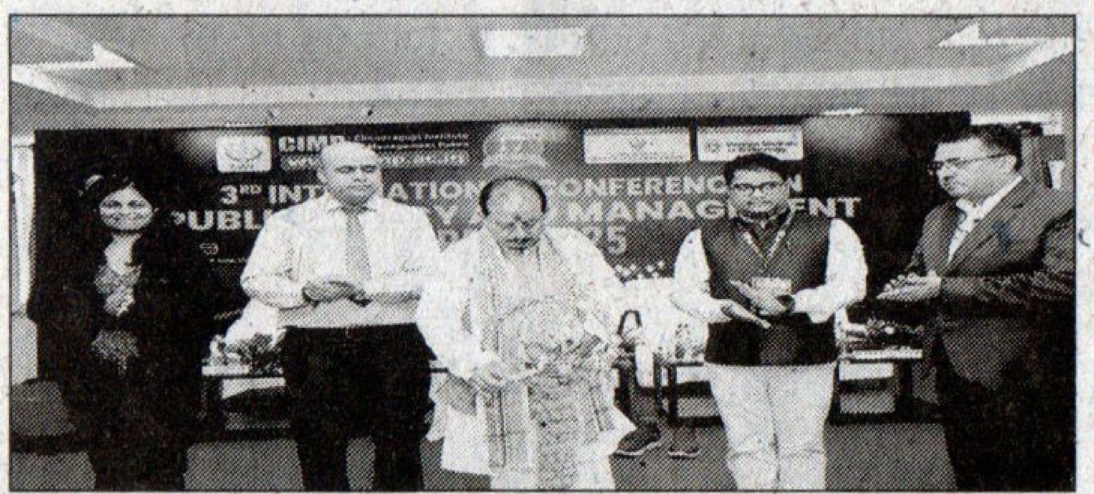

उद्घाटन सत्र में प्रो. राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी, प्रो अंजलि थॉमस, जार्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अटलांटा, अमेरिकाय कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी तथा प्रो देवब्रत समंता, सम्मेलन संयोजक भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र की शुरुआत सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में भारत द्वारा की जा रही प्रगति और प्रयासों पर प्रकाश डाला।

प्रो. देबब्रत समंता ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और स्थानीय शासन को सतत विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में देखने के महत्व पर विचार प्रस्तुत किया। प्रो.अंजलि थॉमस ने बिहार की नीति प्रणाली के साथ जुड़ने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की। पिछले एक दशक में राज्य की प्रगति का अध्ययन करने की अपनी रुचि साझा की। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से आये प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, सरकारी संगठनों, नागरिक समाज और पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर विकसित बिहार/2047 और विकसित भारत/2047 की दिशा में नीति चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान कराने के लिए प्रशंसा की। उन्होंने संस्थाओं और नीतियों की समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा देने में भूमिका तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति सामर्थ्य निर्माण के महत्व पर बल दिया। श्री सिन्हा ने सम्मेलन की थीम सक्षम समुदायों का निर्माण सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्थानीय शासन की प्रासंगिकता को विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में रेखांकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जन धन योजना और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसे योजनाओं का उल्लेख किया। जिन्होंने लाभ पहुंचाने की प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाई और रिसाव को कम किया। साथ ही उन्होंने पीएम-किसान और कन्या समृद्धि योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की।

विश्व के साथ-साथ भारत भी जलवायु परिवर्तन से जूझ रहा है : विजय कुमार सिन्हा

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में बुधवार को सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन बुधवार को हुआ। सम्मेलन की थीम 'सक्षम समुदायों का निर्माण- सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्थानीय शासन' विषय को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पूरे विश्व के साथ-साथ भारत भी जलवायु परिवर्तन से जूझ रहा है. बिहार भी इससे अछुता नहीं है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने को क्षमता निर्माण जरूरी है। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जन धन योजना और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से जनता को लाभ पहुंचाने की प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी और लीकेज कम हुआ। पीएम-किसान और कन्या समृद्धि योजना के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की नीति को बिहार की स्थानीय शासन व्यवस्था की प्रगतिशीलता का उदाहरण बताया। सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर सीआइएमपी के निदेशक राणा सिंह, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अटलांटा की प्रो अंजलि थॉमस, मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी

कुमोद कुमार व सम्मेलन संयोजक प्रो देबब्रत समंता भी मौजूद रहे। सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने बिहार में रणनीतिक सार्वजनिक नीति और योजना निर्माण में सीआइएमपी की भूमिका पर भी चर्चा की। प्रो देबब्रत समंता ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और स्थानीय शासन को सतत विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में महत्व को रेखांकित किया। जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अटलांटा की प्रो अंजलि थॉमस ने बिहार की नीति प्रणाली के साथ जुड़ने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की और पिछले एक दशक में राज्य की प्रगति का अध्ययन करने की अपनी रुचि साझा की। सत्र का समापन सीआइएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ. सम्मेलन के पहले दिन दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल पंद्रह शोध पत्र प्रस्तुत किए गये। मौके पर प्रो सौम्यानंद डिंडा (अर्थशास्त्री, बर्दवान विश्वविद्यालय), प्रो रंजन कुमार घोष (आइआइएम अहमदाबाद), पिनाकी हलदर (वरिष्ठ भूमि अधिकार सलाहकार, साउथ एशिया, लैंडेसा), और डॉ त्रन्ना जोशी (रिसर्च लीड, लैंडस्टैक) जैसे विशेषज्ञों ने भाग लिया. सत्र का संचालन हिमाचल प्रदेश के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक सनेन द्वारा किया गया। सम्मेलन के पहले दिन का समापन जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रो चार्ल्स हैंकाला के विशेष संबोधन के साथ हुआ।

जलवायु परिवर्तन चुनौती, इससे लड़ने की क्षमता विकसित करनी होगी: विजय कुमार सिन्हा

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में बुधवार को सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन बुधवार को हुआ। सम्मेलन की थीम 'सक्षम समुदायों का निर्माण: सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्थानीय शासन' विषय को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पूरे विश्व के साथ-साथ भारत भी जलवायु परिर्वतन से जूझ रहा है। बिहार भी इससे अछुता नहीं है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने को क्षमता निर्माण जरूरी है। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जन धन योजना और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से जनता को लाभ पहुंचाने की प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी और लीकेज कम हुआ। पीएम-किसान और कन्या समृद्धि योजना के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की नीति को बिहार की स्थानीय शासन व्यवस्था की प्रगतिशीलता का उदाहरण बताया।

Dainik Bhaskar ! Page No - 07 ! Date - 26-06-2025 !

सीआईएमपी में सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर चर्चा

पटना/संवाददाता। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में बुधवार को सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। उनके साथ उद्घाटन सत्र में सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, जॉर्जिया

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रो. अंजलि थॉमस, कुमोद कुमार तथा प्रो. देबब्रत समंता भी उपस्थित रहे। मौके पर राणा सिंह ने सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में भारत द्वारा की जा रही प्रगति और प्रयासों पर प्रकाश डाला और सम्मेलन के केंद्रीय विषय की भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने बिहार में रणनीतिक सार्वजनिक नीति और योजना निर्माण में सीआईएमपी की भूमिका पर भी चर्चा की। सहायक प्रोफेसर प्रो. देबब्रत समंता ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और स्थानीय शासन को सतत विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में देखने के महत्व पर विचार प्रस्तुत किए। प्रो. अंजलि थॉमस ने बिहार की नीति प्रणाली के साथ जुड़ने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की और पिछले एक दशक में राज्य की प्रगति का अध्ययन करने की अपनी रुचि साझा की। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्थानीय शासन की प्रासंगिकता को विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में रेखांकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जन धन योजना और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसे योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने लाभ पहुंचाने की प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाई और रिसाव को कम किया।

सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। इस दौरान संस्थान के निदेशक प्रो. (डा.) राणा सिंह, जार्जिया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, अटलांटा, अमेरिका के प्रो. अंजलि थामस, सीआइएमपी के सीईओ कुमोद कुमार, सम्मेलन का शुभारंभ प्रो. देबब्रत समंता भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सीआइएमपी के प्रयासों की प्रशंसा की। कहा कि सीआइएमपी ने सभी को एक मंच पर लाकर विकसित बिहार@2047 और विकसित भारत@2047 की दिशा में नीति चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान किया है। आगत अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रो. राणा सिंह ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीईओ कुमोद कुमार ने किया। प्रो. अंजलि थामस ने उत्तर भारत में हाशिए पर बसे लोगों को लक्षित एक सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना के संदर्भ में किए गए क्षेत्रीय अध्ययन के निष्कर्ष साझा किए।

Dainik Jagran !
Page No - 04 !
Date - 26-06-2025 !